रणत भँवर से आओ | By P R Swami |

रणत भँवर से आओ
हे रिद्धि सिद्धि रा भरतार
संकट हारी हो रही थारी
जग में जय जय कार

माँ जगदम्बा आम्बा लाड लड़ायो
पालने झुलायो थाने गोद में खिलायो
शिव संकर भोले को
थे पायो प्यार दुलार
संकट हारी हो रही थारी
जग में जय जय कार

ढूँढ ढूँढायो बाबो सूँड सूँडायो
पीड़ पड़ायो बाणे सब रखवालो
ठुमक ठुमक कर नाचे
बाजे पायल की झंकार
संकट हारी हो रही थारी
जग में जय जय कार

मोदक प्रिय मुख मंगल दाता
सुर नर किन्नर भाग्य विधाता
गणनायक वरदायक है देवा रा सरदार
संकट हारी हो रही थारी
जग में जय जय कार

प्रथम मनावूँ ध्याऊँ गणपति राजा
विघ्न हरणता रहूँ सब काजा
श्याम मण्डल है थारो
थारो ही राम अवतार
संकट हारी हो रही थारी
जग में जय जय कार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%a3%e0%a4%a4-%e0%a4%ad%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%93-by-p-r-swami/